प्रसार भारती
भारतीय प्रसारण निगम
आकाशवाणी केन्द्र शिमला
25.08.2025 / प्रादेशिक समाचार / 1800बजे

प्रश्नकाल

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा है कि प्रदेश सरकार जंगली जानवरों से फसलों को बचाने के लिए उपयोगी उपकरणों पर सब्सिडी देने पर विचार करेगी। उन्होंने कहा कि इन उपकरणों में साउंड और लाइट सिस्टम भी शामिल होगा। मुख्यमंत्री शिमला में चल रहे प्रदेश विधानसभा के मॉनसून सत्र के दौरान आज प्रश्नकाल में विधायक अनुराधा राणा के सवाल का जवाब दे रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में जंगली जानवरों द्वारा इंसानों को हो रहे नुकसान में ही राहत राशि देने का प्रावधान है। इसमें किसी भी व्यक्ति की मौत, उसके गंभीर रूप से घायल होने या चोट लगने जैसी स्थिति शामिल है। विधायक रीना कश्यप के एक अन्य सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर छैला–नेरीपुल–सनौरा सड़क को सीआरएफ में डालने और एक वैकल्पिक मार्ग बनाने का आग्रह किया है। विधायक कुलदीप राठौर के सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि कुमारसेन पुलिस थाना भवन के लिए कुमारसेन के भराड़ा में भूमि चिन्हित कर ली गई है और भूमि पुलिस के नाम होने पर इसका निर्माण शुरू करवाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने विधायक बिक्रम ठाकुर के सवाल के जवाब में कहा कि बीते दो सालों में प्रदेश में वन महोत्सवों के आयोजनों पर 17 लाख 87 हज़ार 7 सौ 20 रुपए खर्च कर 35 हज़ार 2 सौ 40 पौधे लगाए गए।

नियम–62

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा है कि चंबा जिले की प्रसिद्ध मणिमहेश यात्रा और संबंधित पवित्र स्थलों को केंद्र सरकार की प्रसाद योजना में शामिल करने के प्रस्ताव का प्रदेश सरकार मूल्यांकन कर रही है। विधानसभा में विधायक डॉ. जनक राज द्वारा नियम 62 तहत मामला उठाए जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मूल्यांकन भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के दिशा–निर्देशों के अनुसार किया जा रहा है और इसके पूरा होते ही केंद्र को मंजूरी के लिए भेज दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रसाद योजना पूर्ण रूप से केंद्रीय वित्तीय सहायता प्राप्त योजना है और परियोजना के सभी घटकों के लिए सौ फीसदी केंद्रीय वित्त पोषण किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा प्रसाद योजना के तहत माता चिंतपूर्णी मंदिर का विकास नामक योजना शुरू की है जिसके तहत केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय ने इसी साल 31 मार्च को 56 करोड़ 26 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की है।

मौसम

प्रदेश के अधिकांश भागों में मॉनसून की बारिश लगातार जारी है जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है। कई स्थानों पर भारी बारिश के चलते बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं और भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं जिससे प्रदेश में 2 राष्ट्रीय उच्च मार्गों सहित 7 सौ 93 सड़कें यातायात के लिए ठप्प हैं। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक प्रदेश में 9 सौ 56 ट्रांसफार्मर और 5 सौ 17 पेयजल योजनाएं प्रभावित हुई हैं। चम्बा ज़िला में खराब मौसम को देखते हुए प्रशासन ने मणिमहेश यात्रा को स्थगित कर दिया है। मणिमहेश यात्रा पर गए पंजाब के 3 श्रद्धालुओं की मौत हो गई है। ज़िला उपायुक्त मुकेश रेपसवाल ने बताया कि मणिमहेश यात्रा के रास्ते में रूके श्रद्धालुओं को सुरक्षित वापिस लाने का कार्य शुरू कर दिया गया है। मौसम विज्ञान केन्द्र शिमला के वैज्ञानिक संदीप कुमार शर्मा के अनुसार आज और कल प्रदेश के कई ज़िलों में भारी बारिश का रैड अलर्ट जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि आज चम्बा, कांगड़ा और मण्डी जबकि कल चम्बा और कांगड़ा में रैड अलर्ट जारी किया है।

मुख्यमंत्री अपील

इस बीच, मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने मणिमहेश यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा है कि राज्य सरकार इस दुख की घड़ी में उनके साथ खड़ी है और उन्हें हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।

.....